2023

HINDI

Paper : HINHC3066

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित में से किन्हीं छः बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×6=6

(क) 'रस मीमांसा' किसकी कृति है?

(i) आचार्य विश्वनाथ

(ii) आचार्य मम्मट

(iii) आचार्य केशवदास

(iv) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(ख) "मधुवन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ"
—में कौन-सा अलंकार है?

(i) उपमा

(ii) मानवीकरण

(iii) यमक

(iv) श्लेष

(ग) 'नाट्यशास्त्र' को पंचम वेद किसने कहा है?

(i) राजशेखर

(ii) भरतमुनि

(iii) विश्वनाथ

(iv) जगन्नाथ

(घ) 'साहित्यदर्पण' के रचयिता कौन हैं?

(i) भरत

(ii) मम्मट

(iii) जगन्नाथ

(iv) विश्वनाथ

(ङ) इनमें से कौन विद्वान रस-विरोधी है?

(i) शंकुक

(ii) भामह

(iii) मम्मट

(iv) आनन्दवर्धन

(च) शंकुक के अनुसार, भरतमुनि के रससूत्र में आए 'संयोग' शब्द का अर्थ है

(i) भाव-भावक सम्बन्ध

(ii) अनुमान

(iii) व्यंग्य-व्यंजक सम्बन्ध

(iv) संसर्ग

(छ) सात्विक अनुभाव है

(i) शारीरिक अंगों की चेष्टाएँ

(ii) मानसिक चेष्टाएँ

(iii) वेश-भूषा द्वारा चेष्टाएँ

(iv) बिना आश्रय और बिना प्रयास होने वाले लक्षण

(ज) हिन्दी में रीति सिद्धान्त के प्रथम प्रस्तोता आचार्य हैं

(i) कुलपति मिश्र

(ii) केशवदास

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) देव

(झ) "काव्य शोभाकरान् धर्मानलंकार प्रच्छाते" कथन किस ग्रंथ का है?

(i) साहित्यदर्पण

(ii) काव्यमीमांसा

(iii) नाट्यशास्त्र

(iv) काव्यादर्श

(ञ) जहाँ भाव को रोचक बनाने के लिए एक शब्द की बार-बार आवृत्ति होती है, वहाँ अलंकार होता है

(i) पुनरुक्ति

(ii) पुनरुक्तवदाभास

(iii) यमक

(iv) वीप्सा

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) काव्य की आत्मा से क्या अभिप्राय है?

(ख) रस संप्रदाय के दो महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं को लिखिए।

(ग) भावभास की स्थिति कैसी होती है?

(घ) अद्‌भुत रस क्या है?

(ङ) केशवदास ने अलंकार को मान्यता देते हुए क्या कहा है?

(च) शांत रस को स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'आलम्बन विभाव' का उद्‌बुद्ध कैसे होता है?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×6=30

(क) हिन्दी काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।

(ख) काव्य में रस के महत्त्व को निर्धारित कीजिए।

(ग) काव्य में अलंकारों की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

(घ) काव्य-हेतु संबंधी आचार्यों के विचारों पर प्रकाश डालिए।

(ङ) काव्य के प्रमुख हेतुओं के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(च) रीति सम्प्रदाय का परिचय दीजिए।

(छ) औचित्य सिद्धांत के महत्त्व को स्थापित कीजिए।

(ज) शृंगार रस और करुण रस पर विचार कीजिए।

(झ) भारतीय काव्यशास्त्र के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ञ) हिन्दी के आचार्यों की रीति-संबंधी अवधारणा की आलोचना कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) संस्कृत आचार्यों द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षणों पर विचार कीजिए।

(ख) रस सिद्धांत की दृष्टि से साधारणीकरण के सम्बन्ध में दिए गए विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।

(ग) काव्य-प्रयोजन के स्वरूप पर विभिन्न आचार्यों के द्वारा दिए गए विचारों को प्रतिपादित कीजिए।

(घ) ध्वनि सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 14

(क) रस-निष्पत्ति संबंधी विभिन्न मतों की आलोचना कीजिए।

(ख) वक्रोक्ति को स्पष्ट करते हुए उसके वर्गीकरण को प्रस्तुत कीजिए।

(ग) अलंकार सम्प्रदाय का ऐतिहासिक विकास देते हुए प्रमुख आचार्योंकृत इस सम्प्रदाय की काव्य-विषयक मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।

★★★